जा टूट भरम के ताले

जा टूट भरम के ताले तू पूंजी ला गुरु ज्ञान की ।
जा टूट भरम के ताले तू पूंजी ला गुरु ज्ञान की।।

सच्चे मन से ध्यान धरे तू कोन बतावे घाट तने ।
कर बुद्धि की सुधि मिलजा ईश्वर यो कदे घाट तने ।
तू सूरत भजन में लाले फिर मेर करे भगवान की ।
जा टूट भरम के .....ज्ञान की ॥

जिव सताना झुलम कमान के मिलजा इंसान तने ।
दिन रात कमाया हाथ न आया भजा नहीं भगवान् तने।
यमदूत आवे विकरालै तने चिंता हो जा ज्ञान की ।
जा टूट भरम के .....ज्ञान की॥

फिर पाछे पछतावे गा मैने क्यू ना अच्छा करम करा।
सुते बैठे हो जब चिड़िया चुगले खेत तेरा ।
यमदूत आवे विकराले तने हो जा चिता ज्ञान की।
जा टूट भरम के .....ज्ञान की ॥

गुरु तार दे पार बन्दे चरणा के मा लागे न।
फेर दुबारा टाइम मिल ना वक्त परा हैं जागे न।
कृष्ण लाल गिरावड़ आले कर सेवा चंदरभान की ।
जा टूट भरम के .....ज्ञान की ॥

“ जा टूट भरम के ताले तू पूंजी ला गुरु ”

स्वर -“ भगत रामनिवास ”
लेखक - “राम किशन वशिष्ट ”
पोस्ट करने वाले --- “भगत अनिल भारद्वाज”

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2214/title/ja-tut-bharm-ke-tale-tu-punji-la-guru-gyan-ki

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |